

आ... की तिथि	हस्ताक्षरयुक्त आदेश	कार्यालय अभ्युक्ति
16.5.19	<p>अपील नं० ३५५२४/१६५५५ उपासीत ।  अन्य ३५५२४/१६५५५ के साथ उपासीत ।  प्रतिवादी की ओर से प्रत्यक्ष पदाधिकारी  गोपिका उपासीत ।</p> <p>दिनांक 12.3.2019 को दिए गए आदेश  का अनुपालन प्रतिवेदन प्रत्यक्ष प्रशिक्षण  पदाधिकारी गोपिका द्वारा समाप्त किया  गया । <del>सूची</del> आपाग को सौंपी गयी  रिपोर्ट की प्रति अपीलकर्ता को  उपलब्ध कराया गया ताकि इसका  मिमाना बढ़ कर सके ।</p> <p>वादी और प्रतिवादी दोनों पक्षों से  आदेश दिया गया कि प्रत्यक्ष प्रशिक्षण  पदाधिकारी को सौंपी गयी सूची का  मिमाना कर सूची में वाणिज्य राशियाँ अलग  सही हैं तो संयुक्त द्वारा एक पुस्तक  द्वारा ३० भा० ५५० गोपिका दिनांक  31 मई 2019 तक अनुपालन प्रतिवेदन/  सूची आपाग को उपलब्ध करावे ।</p> <p>पूर्व में आपाग द्वारा दिनांक 12.3.2019  के अंतर्गत कई धारियों की दो सूची  ३० भा० ५५० को सौंपी गयी थी । निष्पत्ति  में अनुपालन रिपोर्ट मज करण 31.5.  19 तक ३० भा० ५५० आपाग को  उपलब्ध करायेगी । अनुपालन तब तक  की स्थिति में आपाग धारा 33 के</p>	

आदेश की तिथि	हस्ताक्षरयुक्त आदेश	कार्यालय अभ्युक्ति
--------------	---------------------	--------------------

अंतरिम कार्डों का प्राल-करण।  
 सुनवाई के क्रम में ही गरीबों को  
 जिन्हें कार्ड उपलब्ध करा दिया  
 गया है मैं भी रोजाना अंतरिम कार्ड  
 दिए जा रहे हैं। 2020/1989/47 के संकेत  
 में जानकारी दी गई कि उन्हें कार्ड  
 नहीं दिया है और राशन भी नहीं  
 मिल रहा है। Online जांच में  
 पाया गया कि इनके कार्ड ले रकान  
 का इमान नहीं पाए हो रहे हैं। 26  
 माह से संज्ञान में लिया गया  
 जिसपर 2020/1989/47 जोड़िया जांच  
 कर 31.5.19 तक प्रतिक्रिया दी।

Ranjana  
 16/5/19

16/5/19

5.7.19 -

जिला कार्यालय पदाधिकारी को  
 पत्रांक 615 दिनांक 28.5.19  
 द्वारा सूचित किया गया है कि  
 गौमिया प्रखण्ड के अयोग्य  
 परिवारों का सत्यापन/जांच  
 कर विद्ये संज्ञान कार्डों कर दी  
 गई है।  
 प्रोपरा उपरोक्त कर रहे


आदे की तिथि

हस्ताक्षरयुक्त आदेश

कार्यालय अभ्युक्ति

दिनांक 5.7.19 को इलाहाबाद  
सूचना दी कि गोकिया प्रखण्ड  
प्रखण्ड के योग्य मासिक जिला  
दावा की गई थी D.S.O के  
द्वारा जांच कर शान्त  
मार्ग उपलब्ध करा दिया गया  
है। साथ ही photographs भी  
उस मासिक को photographs  
भी भेजा है।

उपरोक्त परिदृश्य के  
में उभय पक्षों के द्वारा  
प्रति सूचना से प्रतीत होता  
है कि प्रखण्ड की दावा D.S.O  
द्वारा पूर्ण कर दिया गया है।  
अतः इस दावे को  
समाप्त किया जाता है।

  
5.7.19